(a) the basis of awarding the Bombay High Platform deal contract to M/s Essar Oil Ltd. and rejecting the other offers;

(b) the basis of calculation of foreign exchange content for according 10% price preference;

(c) whether the foreign exchange contents in domestic supplies of equipments to the direct bidders is also treated as foreign exchange content of the bids, if not, the reasons therefor;

(d) whether the reduction of Rs. 38.8 crore or so in the revised bid by Essar Oil Ltd. will not adversely affect the quality of supply, content of contract or delivery schedule; and

(e) if not, how such a large sum can be absorbed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PEPTROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) to (e) The contract for B-12I/119 Offshore well platform has not been awarded to M/s Essar Oil Ltd.

वायु में सल्फर डाइ-आक्साइड छोड़ा जाना

369. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **पर्यावरण और** वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जामनगर स्थित प्रस्तावित तेल-शोधक कारखाने से प्रतिदिन प्रति घंटे अनुमानतः कितनी किलोग्राम सल्फर डाइ-आक्साइड वायु में छोड़े जाने की सम्भावना है;

(ख) क्या प्रदूषण का यह स्तर पर्यावरणीय सुरक्षा के लिये निर्धारित मानदंड के अनुरूप है और क्या सरकार ने इस संयंत्र को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है;

(ग) क्या इस प्रदूषण से इस क्षेत्र के संरक्षित पक्ष अभयारण्य और अन्य समुद्री-जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस क्षेत्र की विरासत को इस प्रकार के प्रदूषण से बचाने हेतु किन्हीं कदमों पर विचार किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जामनगर में मैसर्स रिलायंस के प्रस्तावित तेल शोधक कारखाने को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करते समय सल्फर डाइ-आक्साइड उत्सर्जन के लिए 2000 किलोग्राम प्रति घंटे की सीमा निर्धारित की गई। यह तेल शोधक कारखाना जामनगर में मैसर्स इस्सर द्वारा पहले प्रस्तावित कारखाने के अतिरिक्त है।

(ख) और (ग) गणितीय माडलिंग के आधार पर लगाए गए पूर्वानुमानों से पता चलता है कि सल्फर डाइ-आक्साइड उत्सर्जन की इस मात्रा से केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक का उल्लंघन नहीं होगा। राष्ट्रीय पर्यावरणीय इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा किए गए विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन अध्ययनों से पता चलता है कि प्रस्तावित तेल शोधक कारखाने से मरीन नेशनल पार्क के पर्यावरण पर कोई खास प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(घ) और (ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Extinction of Bhitar Kanika Wild Life Sanctuary in Orissa

370. SHRI SARADA MOHANTY: Will the Minister of ENVIRONMENT and FORESTS be pleased to state:

(a) whether the Bhitar Kanika Wild Life Sanctuary in Orissa is on the verge of extinction.

(b) if so, the reasons for the environment degradation of that wild life sanctuary; and

(c) the steps taken for the proper preservation of that wild life sanctuary?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI RAJESH PILOT): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The stpes taken for the proper preservation of the Bhitarkanika sanctuary include:

(i) Out of the 537 sq. km. area of the sanctuary an area of 367 sq. km. has been declared as a proposed national park for more effective conservation of the area.

(ii) For the development of the

Bhitarkanika Sanctuary and National Park and eco-development in and around the area, Central assistance is being provided by this Ministry. The assistance provided during last three years is as follows:

(Rs. in lakhs)

	Name of Scheme	1992-93	1993-94	1994-95
(i)	Development of National Parks & Sanctuaries	4.90	15.94	17.00
(ii)	Eco-development in and around National Parks & Sanctuaries	—	—	5.70
(iii)	the major conservation measures for which central assistance is provided include: Habitat development, improvement of communication facilities including wireless network, construction of staff quarters, awareness and education programmes, provisions of fire arms for protection staff, research and monitoring etc.			

Killing of Leopards and Tigers

371. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that leopards and tigers are being killed in the North-Eastern region of the country not becuase of their skins, medicinal elixirs but also for their meat as reported in the Indian Express, dated 20th October, 1995;

(b) whether it is also a fact that wild life protection agencies are weak in that region;

(c) whether Government propose to strengthen the protective agency in that region; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI RAJESH PILOT): (a) to (d): The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

मध्य प्रदेश में सड़कों के रख-रखाव ओर मरम्मत के लिए खर्च की गई धनराशि

372. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में सड़कों के रख-रखाव तथा मरम्मत हेतु पिछले तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार आवंटित की गई धनराशि तथा उसमें से वास्तव में खर्च की गई धनराशि के बीच का अन्तर कितना है;

(ख) तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या धनराशि उसी प्रयोजनार्थ खर्च की गई है जिसके लिए वह वास्तव में निश्चित की गई थी; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?